This question paper contains 3 printed pages.

5312 आपका अनुक्रमांक .....

B.A. (Prog.) / I **A**

(T)

HINDI DISCIPLINE— Paper I

हिन्दी अनुशासन— प्रश्नपत्र I

(हिन्दी कविता, नाटक तथा हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिये / NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी:— *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी A) के विद्यार्थियों के लिये अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के सम्बन्ध में उनके परिणाम के संकलन के लिये नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।*

***सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) देखन बागु कुँअर दुइ आए। बय किसोर सब भाँति सुहाए॥
स्याम गौर किमि कहौं बखानी। गिरा अनयन नयन बिनु बानी॥
सुनि हरषीं सब सखीं सयानी।सिय हियँ अति उतकंठा जानी॥
एक कहइ नृपसुत तेइ आली। सुने जे मुनि सँग आए काली॥

P. T. O.

जिन्ह निज रूप मोहनी डारी। कीन्हे स्वबस नगर नर नारी॥
बरनत छबि जहँ तहँ सब लोगू। अवसि देखिअहिं देखन जोगू॥

(ख) ओछे नर के पेट में रहै न मोटी बात।
आध सेर के पात्र में कैसे सेर समात॥

× × × × × ×

सुरसति के भंडार की बड़ी अपूरब बात।
ज्यौं खरचै त्यौं त्यौं बढ़ै बिन खरचे घटि जात॥

(ग) मैं अकेला
देखता हूँ, आ रही
मेरे दिवस की सांध्य वेला।
पके आधे बाल मेरे,
हुए निष्प्रभ गाल मेरे,
चाल मेरी मंद होती आ रही,
हट रहा मेला। 8+8

2. सूरदास **अथवा** केदारनाथ अग्रवाल का साहित्यिक परिचय दीजिए। 7

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के आधार पर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(*i*) कबीर के पदों का प्रतिपाद्य लिखिए।

(*ii*) बिहारी के नीतिपरक दोहों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) 'अकाल और उसके बाद' कविता बंगाल के अकाल का यथार्थपरक चित्रण करती है, स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) 'मधुप गुनगुनाकर कह जाता' कविता भावुक हृदय की व्यथा का चित्रण है, विचार कीजिए। 6+6

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

मैं जानती हूँ माँ, अपवाद होता है। तुम्हारे दुःख की बात भी जानती हूँ। फिर भी मुझे अपराध का अनुभव नहीं होता। मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए वह सम्बन्ध और सब सम्बन्धों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है ·····।

अथवा

स्थान-स्थान पर इन पर पानी की बूँदें पड़ी हैं जो निःसन्देह वर्षा की बूँदे नहीं हैं। लगता है तुमने अपनी आँखों से इन कोरे पृष्ठों पर बहुत कुछ लिखा है। और आँखों से ही नहीं, स्थान-स्थान पर ये पृष्ठ स्वेद-कणों से मैले हुए हैं, स्थान-स्थान पर फूलों की सूखी पत्तियों ने अपने रंग इन पर छोड़ दिये हैं। कई स्थानों पर तुम्हारे नखों ने इन्हें छीला है, तुम्हारे दाँतों ने इन्हें काटा है। 8

5. 'मैं पूछती हूँ भावना में भावना का वरण क्या होता है।' इस कथन में निहित माँ की पीड़ा को अम्बिका के चरित्र में चित्रित कीजिए।

अथवा

कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए। 12

6. (क) निर्गुण काव्यधारा **अथवा** रीतिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। 10

(ख) छायावाद **अथवा** नयी कविता की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ बताइये। 10

*